सत्यमेव जयते

आयकर विभाग

INCOME TAX DEPARTMENT

आंध्र प्रदेश व तेलंगाना क्षेत्र

ANDHRA PRADESH & TELANGANA REGION

हैदराबाद प्रभार

HYDERABAD CHARGE

द्वारा प्रकाशित

"मलयज"

(अक्तूबर - दिसम्बर, 2020)

त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका - चतुर्थ अंक

<u>संरक्षक</u>

श्री जे.बी. महापात्रा, भा.रा.से.
प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश एवं तेलंगाना

<u>प्रधान संपादक</u>

श्री पीयूष सोनकर, भा.रा.से.
आयकर आयुक्त (मुख्या. व करदाता सेवाएं) एवं राजभाषा अधिकारी

<u>संपादक मंडल</u>

श्री रवि कुमार,
उप निदेशक (राजभाषा), हैदराबाद

श्रीमती ममतारानी साहू
उप निदेशक (राजभाषा), हैदराबाद

श्री सुनील कुमार विभूते
सहायक निदेशक (राजभाषा), हैदराबाद

<u>संपादकीय सहयोग</u>

श्रीमती के. गिरिजा वाणी
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी

श्री अनिल कुमार मीना
हिंदी आशुलिपिक

श्री जयप्रकाश
हिंदी आशुलिपिक

श्रीमती कल्पना
हिंदी आशुलिपिक

संपर्क हेतु : सहायक निदेशक (राजभाषा), कार्यालय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, आयकर शिखर, नौवी मंजिल
कमरा नं. 942, हैदराबाद-500004
e-mail id : hyderabad.ad.ol@incometax.gov.in

अनुक्रमणिका

आन्ध्र प्रदेश व तेलंगाना क्षेत्र, हैदराबाद प्रभार

क्र.सं.	लेख/कविता	रचनाकार /कवि का नाम श्री / श्रीमती /कुमारी
1.	भारतीय संविधान और गांधी विचार	डॉ. आर.के. पालीवाल प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, भोपाल
2.	सहर	शालिनी भार्गव कौशल आयकर आयुक्त, हैदराबाद
3.	बाँकी है	वाल्मीकि शरण ज्योति आयकर अधिकारी, विशाखापट्टणम
4.	महिला सशक्तिकरण	जे. प्रियंका, आयकर निरीक्षक
5.	देश का अन्नदाता - किसान	मोहम्मद अवेस अहमद वरिष्ठ कर सहायक
6.	ग़ज़ल	क़मर आलम खान, वरिष्ठ कर सहायक
7.	चाय	शंकर मीना, आशुलिपिक
8.	नई दिशा	विकास कुमार, वरिष्ठ कर सहायक
9.	मैं किसान हूँ	सांवत राम मीना, आशुलिपिक
10.	महिला सशक्तिकरण	दिव्याज्योती, आशुलिपिक
11.	महामारी कोरोना काल के दौरान आपका अनुभव	वसीम खान, वरिष्ठ कर सहायक
12.	दोस्त अब थकने लगे है	कृष्ण कुमार मीना, आशुलिपिक
13.	माँ	रजत चौधरी, आशुलिपिक
14.	कार्यालय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, हैदराबाद द्वारा आयोजित हिन्दी दिवस उत्सव - 2020 समारोह - तत्संबंधी रिपोर्ट	
15.	सतर्कता सप्ताह के दौरान आयोजित "हिन्दी स्लोगन प्रतियोगिता" में विजयी प्रतिभागियों द्वारा प्रमुख चित्र सहित कुछ स्लोगनों की झलकियां	
16.	आयकर क्वाटर्स, रोड़ नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में "प्रोजेक्ट ग्रीन" के तहत वर्मी.- कम्पोस्ट मशीन की स्थापना व उद्घाटन संबंधी झलकियां	
17.	राजभाषा शील्ड संबंधी कुछ झलकियां	
18.	संविधान दिवस के दौरान आयोजित "भारतीय संविधान की आत्मा" के विषय पर विजयी प्रतिभागियों के कुछ रेखा-चित्रों की प्रस्तुतियाँ	

मलयज ई-पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने हैं, संपादक मंडल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

डॉ. आर.के. पालीवाल
प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त,
भोपाल

भारतीय संविधान और गांधी विचार

आज़ाद भारत के संविधान निर्माण का कार्य दिसंबर 1946 में संविधान सभा की पहली बैठक से शुरु होकर लगभग तीन साल में 26 नवंबर 1949 को पूरा हुआ था जब संविधान सभा ने देश के नए संविधान को देशवासियों को सौंपा था और 26 जनवरी 1950 को पूरे देश में यह संविधान लागू हो गया था। महात्मा गांधी आज़ाद भारत के संविधान को नहीं देख पाए थे क्योंकि उसके निर्माण के काफी पहले ही 30 जनवरी 1948 को उनकी निर्मम हत्या हो गई थी।

भारत के संविधान के निर्माण में संविधान निर्माण की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। महात्मा गांधी और डॉक्टर अंबेडकर में कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर वैचारिक मतभेद थे, लेकिन भारत के वंचित, दलित और दमित समाज के कल्याण के लिए और लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती और मानवीय समानता एवं गरिमा, सर्व धर्म समभाव, सम्पूर्ण समाज के आर्थिक और आध्यात्मिक विकास आदि के अधिकांश मुद्दों पर महात्मा गांधी और डॉक्टर अंबेडकर में लगभग एकमत था इसलिए इन मुद्दों की स्पष्ट छाप हमें संविधान के विभिन्न प्रावधानों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

भारतीय संविधान को वैश्विक संविधानों के बेहतरीन प्रावधानों का गुलदस्ता भी कहते हैं। यह इसीलिए भी संभव हुआ क्योंकि संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गांधी और अंबेडकर जैसे व्यापक वैश्विक अनुभव वाले राजनेताओं का वैश्विक संविधानों का भी जबरदस्त अध्ययन था और विशेष रूप से यह दोनों विभूतियां ही भारतीय और पाश्चात्य समाज एवं संस्कृति की तमाम अच्छाईयों को आत्मसात करने के लिए प्रगतिशील विचारधारा के समर्थक थे।

संविधान निर्माण में अंबेडकर को अग्रणी भूमिका में रखने में भी गांधी की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। भारत-पाक बंटवारे के बाद अंबेडकर को भारत की संविधान सभा और पहले मंत्रिमंडल में जगह देने में गांधी की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। गांधी की स्वीकृति के बाद ही सरदार पटेल के हस्तक्षेप से तत्कालीन बंबई राज्य से डॉक्टर अंबेडकर को संविधान सभा में स्थान मिला था क्योंकि उनकी पुरानी सदस्यता तत्कालीन पाकिस्तान वाले हिस्से में चली गई थी।

जिन दिनों संविधान निर्माण कार्य चल रहा था उन दिनों तत्कालीन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गांधी समर्थक नेताओं की भी बहुतायत थी। संविधान सभा में भारत के हर वर्ग और हर विचारधारा के समर्थक शामिल थे लेकिन उनमें सबसे ज्यादा संख्या गांधी को अपना नेता मानने वाले लोगों की थी इसलिए भी संविधान निर्माण की प्रक्रिया में गांधी विचार का प्रभाव निश्चित था।

कुछ लेखकों का यह भी मानना है कि आजाद भारत के संविधान में गांधी जी के विचारों को उचित जगह नहीं मिली। उनके अनुसार गांधी ग्राम स्वराज चाहते थे और इसके लिए वे ग्राम पंचायत को सबसे ज्यादा अधिकार देना चाहते थे जिससे भारत के पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों का तेजी से विकास हो सके। यह मानने वाले लेखक श्रीमन नारायण अग्रवाल की किताब गांधियन कंस्टीट्यूशन ऑफ़ फ्री इंडिया का हवाला देते हैं जो 1946 में प्रकाशित हुई थी। ख़ुद गांधी जी ने इस कृति में संकलित अपने विचारों से सहमति व्यक्त की थी।

आजादी के समय नए देश को जिन दो प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था उनमें बंटवारे के बाद होने वाले खून खराबे को रोकने और पाकिस्तान द्वारा कश्मीर में फैलाई अशांति पर नियंत्रण करना बेहद जरूरी था, संभवत: इसीलिए संविधान निर्माताओं को पंचायती राज की गांधीवादी विकेंद्रीकृत व्यवस्था के बजाय मज़बूत केंद्रीय व्यवस्था की आवश्यकता महसूस हुई होगी। दूसरे उस समय देश के पास संशाधन भी सीमित थे। यही कारण है कि पंचायती राज जैसी गांधी विचार की व्यवस्था को डायरेक्टिव प्रिंसिपल गांधी विचार की व्यवस्था को डायरेक्टिव प्रिंसिपल ऑफ़ स्टेट पॉलिसी में रखा गया है। बहरहाल यह कानून और संविधान में शोध कार्य में रुचि रखने वाले शोधार्थियों के लिए विस्तृत शोध का विषय हो सकता है कि भारतीय संविधान के किन किन प्रावधानों में गांधी विचार का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है।

****

राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को
काम में लाना देश की
एकता और उन्नति के लिए
आवश्यक है।
- महात्मा गांधी

शालिनी भार्गव कौशल
आयकर आयुक्त

सहर

नए साल की नई सहर है आई
बाद ए सबा किस का पैगाम है लाई

गर्दिश ए ज़ीस्त में बिछड़ गए जो यार
फिर उन्हें मिलने का अरमान है लाई
नए साल की नई सहर है आई

खिज़ां ओ तूफां में झड़ गए जो फ़ूल
फिर उन्हें खिलाने का पयाम है लाई
नए साल की नई सहर है आई

तीरगी ए शब में बुझ गए कई चराग
वो लौ दिलों में जलाने का पैगाम है लाई
नए साल की नई सहर है आई

भूलकर सब संजिशें सब कड़वाहटें कल की
अपन ओ सुकूं का चमन में फ़रमान है लाई
नए साल की नई सहर है आई

*****

हिन्दी पढ़ना और पढ़ाना हमारा कर्तव्य है, उसे हम सबको अपनाना है।
- लालबहादुर शास्त्री

वाल्मीकि शरण ज्योति
आयकर अधिकारी

बाँकी है ।

हम नहीं जानते, हमारा क्या होगा
हम यही जानते कोई जरूर होगा
हम नहीं चाहते, पड़ना इन पचड़ों में कभी
हम यही जानते, जो होगा सही होगा ।

हम नहीं देखते तुमको, अपनी आंखों से कभी
ढूँढने अन्तर्मन को, अन्दर भी गया कभी-कभी
बस एक एहसास दिलों को, तसल्ली देता है
मुश्किलों में मुझको, छुपके खींचा था कोई कभी

बस सब्र के सिवा साथी, कौन है अपना
ज़िंदगी हक़ीकत है, या कोई सपना
यह तो जरूर है, कि तुझको देखना चाहते हैं
बस इस बात पर दिल को, यक़ीन क्यूँ है इतना ।

अब-तक तो सहते आयें हैं, तेरे हर कर्मों को
बहुत आजमाया है, पराए और अपनों को
तू हीं दिखता है सब ओर मुझे, समझाता मन को
तुम जानते हो सब कुछ, क्या बताएं तुझको

बस यही दिलाशा, दिल के लिए काफी है
तू सबका है, सबके लिए तेरे दिल मे माफी है
तुम्हारे फैसलों को ललकार तो नहीं सकता
इसपार ही देखा है, उसपार देखना अभी बाकी है ।

****

जे. प्रियंका
आयकर निरीक्षक

महिला सशक्तिकरण

किसी भी समाज में महिला और पुरूष एक वाहन के दोनों पहिए के समान है। किसी भी समाज, देश या फिर पूरी दुनिया का उत्थान यदि हम चाहें तो इसमें पुरूष और स्त्री दोनों की ही भागीदारी बराबर होती है। इसके बावजूद भी आज के देश दुनिया में समाज पुरूष प्रधान बनता जा रहा है और वापस में महिलाओं की पुरानी गरिमा लौटाने के लिए “महिला सशक्तिकरण” की कवायद तेज होती जा रही है।

यदि हम भारत में ही महिलाओं की स्थिति पर विचार करें तो जहां प्राचीन भारत में महिलाओं को पुरूषों के बराबर दर्जा दिया जाता था, जहां महिलाएं पुरूषों के समान ही सभा और संगतियों में भाग लेतीं थीं, वहीं आगे चलकर धीरे-धीरे उनकी स्थिति खराब होती चली गई और वर्तमान समय में भी उनके अथक प्रयासों के बावजूद भी तो बराबरी का दर्जा हासिल नहीं कर पाई है, जो कि होना चाहिए था।

हालांकि आज महिलाओं की भूमिका हर क्षेत्र में देखी जा सकती है चाहे वो कृषि हो या खाद्य प्रसंस्करण, रक्षा क्षेत्र, विनिर्माण या कोई भी सेवा हो ।

सेंसस 2011 (Census 2011) के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या में महिलाओं का प्रतिशत 48.5% है वहीं पुरूष 51.57% है। भारत में सेंसस 2011 के अनुसार लिंग अनुपात पिछले सेंसस के मुकाबले 927 से बढ़कर मात्र 933 हुआ है।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है, जिसके अनुसार एक अदद लड़के की चाहत के कारण देश में 2.2 करोड़ अनचाही लड़कियां पैदा हुई हैं। सर्वे के अनुसार देश में लगभग गर्भ में बेटी होने के कारण 6.3 करोड़ भ्रूण हत्याएं हुई हैं।

यदि लिंग अनुपात की बात करें तो पंजाब और हरियाणा में ये आंकड़ा सबसे दयनीय है जहां लड़कों पर मात्र 1000 लड़कियां हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए सरकारों ने हाल में अनेक प्रयत्नकिए हैं, जैसे- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सेल्फी विथ डॉटर, मैट्रिक और इंटरमीडिएट में अच्छे अंक प्राप्त करने पर राज्य सरकारों द्वारा लैपटॉप, साइकिल जैसे अन्य प्रोत्साहन वस्तु और राशि, विलि डिक्री योजना इत्यादि ताकि मां-बाप भी लड़कियों को जन्म देने और पालन-पोषण करने में न हिचके और ये स्थिति सुधारी जा सके।

इसके अलावा ILO के अनुसार महिलाओं को पुरूषों के समान कार्य करने पर भी कम वेतन देना काफी सामान्य है। केवल भारत में महिलाओं को पुरूषों से 34% कम वेतन मिलता है, वहीं वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 16% है।

इसके अलावा महिलाओं को अन्य क्षेत्रों में भी कई मुद्दों का सामना करना पड़ता है, जैसे घरेलू हिंसा, कुपोषण, गरीबी, असाक्षरता, बालविवाह, लिंग आधारित भेदभाव इत्यादि। सरकार ने इन विषयों से निपटने के लिए अनेक उपाय किए हैं।

इन सब के बावजूद आज हमारे सामने अनेक ऐसे उदाहरण हैं जो इस व्यवस्था और परेशानियों को छोड़कर आगे आई हैं जैसे श्रीमती इंदिरा गांधी, श्रीमती प्रतिभा पाटिल, श्रीमती इंदिरा नुई, सुश्री गुंजन सक्सेना, श्रीमती किरण बेदी आदि ।

अंत में हमें दो बातों का ध्यान रखना होगा कि,

"जब है नारी में शक्ति सारी,
तो फिर नारी को क्यों कहें बेचारी ।
यत्र नार्यस्तु पूज्यंत, रमन्ते तत्र देवता "

****

"खुद में वो बदलाव लाइए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।"

- महात्मा गांधी

मोहम्मद अवेस अहमद
वरिष्ठ कर सहायक

देश का अन्नदाता - किसान

भारत एक कृषि प्रदान देश है। यहां की अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृषि ही है। कृषि कर्म ही जिनके जीवन का आधार हो, वह है कृषक । कृषि प्रधान देश होने के कारण हमारे देश की अर्थव्यवस्था का लगभग समूचा भार भारतीय किसान के कन्धों पर ही है। त्याग और तपस्या का दूसरा नाम है किसान वह जीवन पर मिट्टी से सोना उत्पन्न करने की तपस्या करता रहता है तपती धूप, कड़ाके की ठंड तथा मूसलाधार बारिश भी उसकी इस साधना को तोड़ नहीं पाते है। हमारे देश की लगभग सत्तर प्रतिशत आबादी आज भी गांवों में निवास करती हैं जिनका मुख्य व्यवसाय कृषि है।

एक कहावत है कि भारत की आत्मा किसान है जो गांवों में निवास करते हैं वह देशभर को अन्न, फल, साग-सब्जी आदि दे रहा है किसान हमें खाद्यान देने के आलावा भारतीय संस्कृति और सभ्यता को भी सहेज कर रखे हुए है। यही कारण है शहरों की उपेक्षा गांवों में भारतीय संस्कृति और सभ्यता की झलक अधिक देखने को मिलती है। लेकिन दुर्भाग्यवश किसानों को अब भी उनका स्थान और अहमियत पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है वर्तमान सदंर्भ में हमारे देश में किसान आधुनिक भारत को विकसित देश बनने में अभिन्न योगदान देते है लेकिन बदले में उन्हें उसका पारिश्रमिक तक नहीं मिल पा रहा है प्राचीन काल से लेकर अब तक किसान का जीवन अभावों में गुजरा है किसान मेहनती होने के साथ-साथ सादा जीवन व्यतीत करने वाला होता है। उन्हें दो वक्त की रोटी खाने के लिए भी घण्टों अपनी फसलों में मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में अगर उन्हें अपनी फसलों को बेचने में न्यूनतम मूल्य भी हासिल ना हो तो सोचिए क्या होगा, किसानों की मुश्किलें और बढ़ जाएगी, यही कारण है कि देश के किसानों को सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर करती है।

केन्द्र सरकार सितंबर माह में 3 नए कृषि विधेयक लाई थी, जिन पर राष्ट्रपति की मुहर लगने के बाद वे कानून बन चुके है, लेकिन किसानों को ये कानून रास नहीं आ रहे हैं उनका कहना है कि इन कानूनों से किसानों को नुकसान और निजी खरीददारों व बड़ें कॉरपोरेट घरानों का न्यूनतम समर्थन मूल्य खत्म हो जाने का भी डर है विभिन्न राज्यों के कई किसान और किसान संगठन लगातार तीनों कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं। इनमें से अधिकांश किसान छोटे और सीमांत किसान है निजी कंपनियों के आने से सरकार अनाज की खरीद कम कर सकती है किसान खासतौर से इस बात पर जोर दे रहे है की नई व्यवस्था से उन्हें अपना माल प्राइवेट कंपनियों और बड़े कॉपोरेट घरानों को बेचना पड़ेगा जो उनका शोषण कर सकते है।

किसानों को इस बात की भी आशंका है कि इन तीनों कानूनों के रहते उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) भी नहीं मिल पाएगा।

एक तरफ नए कृषि कानून वापस लेने के फैसले पर किसान संगठन के नेताओं ने सरकार के सामने अपनी समस्या को सुलझाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ सरकार अब भी नए कृषि कानून वापस लेने के मूड में नहीं दिख रही है ऐसे में किसान और सरकार के बीच का गतिरोध कैसे दूर हो । भारत का लाचार और परेशान किसान कई दिनों से दिल्ली के सड़कों पर शांति से प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन सरकार उनकी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश तक नहीं कर रही हैं भूखे प्यासे किसान अब सड़कों पर है। देश को अन्न देने वाला ही अगर परेशान हो तो सरकार का कर्तव्य है उनको प्राथमिकता दे।

कृषि क्षेत्र में किसानों को सुविधा के लिए कई कानून बनते है लेकिन यह कानून किसानों के हित में होना चाहिए ना कि अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए उनका शोषण किया जाए। देश के किसानों को समर्थन देना भी हर एक भारतीय का फर्ज है, इसी बीच अगर किसी देश का लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया को कहा जाए वह भी आज के वर्तमान युग में गलत ही साबित होगा देश की कुछ मीडिया भी किसानों के समर्थन में ना आकर मौजूदा सरकार का गुणगान करती नज़र आ रही है जबकि उन्हें किसानों की आवाज बनकर उनका (Support) सपोर्ट बनना चाहिए। शाहीन बाग की भांति यह किसान आंदोलन भी शांति पूर्ण है मगर इसका अंत शाहीन बाग जैसा हिंसक होगा या नहीं यह भविष्य के गर्भ में है। कृषि कानून के विरोध में उपजा यह आंदोलन एक छोटे से वर्ग के हितों की रक्षा के लिए किया जा रहा है। लम्बे समय चलने वाले ये आन्दोलन न केवल आर्थिक व सामाजिक प्रभाव छोड़ते है अपितु जनमानस को मनोवैज्ञानिक रूप से भी प्रभावित करते है यह आन्दोलन वैसे तो अहिंसक प्रकृति के होते है मगर लगातार पक्ष और विपक्ष के संवाद के फलस्वरूप जो सोशल मीडिया पर हिंसा जन्म लेती है वह समाज में वैमनस्य क्रोध को जन्म देती है जिसका परिणति कई दंगे होते है।

निष्कर्ष में हम यही कह सकते है कि किसान देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, कृषि क्षेत्र में भारत में बहुत दिक्कते है इसमें सुधार लाने की जरूरत है लेकिन सुधार का मतलब ये नहीं की किसी भी क्षेत्र का निजीकरण कर दो, किसान आंदोलन की एक मूल मांग में है कि किसान को एक निश्चित आय चाहिए इसे आप न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की मांग हो या फिर किसान सम्मान निधि के रूप में हो, किसानों की निश्चित आय की समस्या को दूर करने के लिए जरूरत है कि एम.एस.पी. और किसान निधि जैसी दोनों व्यवस्था साथ-साथ चले। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और उनकी रोजमर्रा की जीवन भी आसान होगा।

****

जीवन में कोई भी कार्य कठिन नहीं होता। मन से अभ्यास करने से हर कार्य संभव हो जाता है- - अज्ञात

क़मर आलम खान
वरिष्ठ कर सहायक

गज़ल

चुप ही रहना था अगर तुमको गिला कुछ भी नहीं
इस क़दर शोर मचाने से मिला कुछ भी नहीं

उसने दौलत में ही तौला है सदा हर रिश्ता
इसलिए मेरी वफाओं का सिला कुछ भी नहीं

मैंने माना कि बड़ा जोर लगाया तूने
पर तेरे ज़ोर लगने से हिला कुछ भी नहीं

बीच मझधार में जब छोड़ दिया क्या एहसान
ना खुदा तुझको किनारे का पता कुछ भी नहीं

क़ैद में रख के परिंदे को जिलाते सब हैं
इस तरह जी भी अगर लें तो मज़ा कुछ भी नहीं

****

किसी दूसरी भाषा को जानना सम्मान की बात है,
लेकिन दूसरी भाषा को अपनी राष्ट्रभाषा के
के बराबर दर्जा देना शर्म की बात है
- महादेवी वर्मा

शंकर मीना
आशुलिपिक

चाय

चाय तू कमाल की है
सुबह उठो तो आंखें खोलती है
एक नयी स्फूर्ति जगाती
चाय तू कमाल कर जाती

स्वाद है तेरा अजब-गजब
हर मन को तू भा ही जाती
चाय तू कमाल की है।

गांव-गली हर चौपाटी पर
चाय तो मिल ही जाती
पीते ही तु कमाल कर जाती

हर मन को भाती
थकान को दूर भगाती
घर-आते ही याद है आती
चाय तू कमाल कर जाती।

गर्मी, सर्दी या हो बरसात
तू सबको खूब है भाती
सर्दी के मौसम में तेरी जरूरत
और हो जाती है।
चाय तू कमाल कर जाती है

काम-काज और थकान भुलाकर
पास में तू अपने बुलाती
उगता हुआ सूरज हो
या ढलती हुई शाम हो
चाय तू कमाल कर जाती।

****

विकास कुमार
वरिष्ठ कर सहायक

नई दिशा

एक बार दो दोस्त उदास और मायूस मुद्रा में समुद्र किनारे बैठे थे तभी वहां से मलिन वस्त्रों में एक राहगीर गुजरा। उसने उन दोनों लड़कों को हताशा से भरे हुए देखा। उसने उनकी इस अवस्था का कारण जानने की चेष्टा की। वह जिज्ञासा वश उनके पास गया और उदासी का कारण पूछा? उन्होंने बताया कि वे परीक्षा में असफल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने इसके लिए प्रयास किया लेकिन हम असफल हो गए। वे बहुत निराशा और हताशा से भरे हुए थे।

उस व्यक्ति ने उन लड़कों से कहा कि परीक्षा की असफलता जिन्दगी की असफलता नहीं है। स्वयं की काबिलियत तथा क्षमता से सफलता को प्राप्त किया जा सकता है। उसने समुद्र की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसके पार भी एक दुनिया है। स्वयं के आत्मविश्वास तथा लगातार प्रयत्न से ही प्रसन्नता को प्राप्त किया जा सकता है। हमें समुद्र की तरह विशाल और गहरा होना चाहिए। हमें अपने सपनों की ओर जिन्दगी को अग्रसर करना चाहिए।

अत: आप दोनों को हताश न होकर अपने सपनों को नई दिशा, नई ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ प्रयासरत रहना चाहिए। उस राहगीर की बात सुनकर दोनों दोस्तों के चेहरों पर सुकून की झलक दिखाई पड़ी। उन्होंने अपने सपनों को नई दिशा देने का वादा किया। उसने राहगीर को धन्यवाद दिया और खुशी-खुशी दोनों घर चले गए।

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें असफलताओं से हताश नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रयासरत होकर सपनों को सफलता की ओर ले जाने के लिए नई दिशा के लिए भरसक प्रयास करना चाहिए।

****

एक पुस्तक हजारों रत्नों से
कही ज्यादा अच्छी होती है
क्योंकि
पुस्तक हमारे अंत:करण को
उज्जवल बनाती है

- महात्मा गांधी

सांवत राम मीना
आशुलिपिक

मैं किसान हूँ

बंजर सी धरती से सोना उगाने का हौसला रखता हूँ,
पर अपने हक की लड़ाई लड़ने से डरता हूँ।
ये सूखा ये रेगिस्तान सुखी हुई फसल को देखता हूँ,
न दिखता कोई रास्ता तभी आत्महत्या करता हूँ।

उड़ाते हैं मखौल मेरा ये सरकारी कामकाज,
बन के रह गया हूँ राजनीति का मोहरा आज।
क्या मध्यप्रदेश क्या महाराष्ट्र क्या राजस्थान, तमिलनाडु से लेकर सौराष्ट्र,
मरते हुए अन्नदाता की कहानी बनता मैं किसान हूँ।

साल भर करूं मैं मेहनत उगाता हूँ दाना,
ऐसी कमाई क्या जो बिकता बाहर रूपया पर मिलता चार आना।
न माफ कर सकुंगा वो संगठन दल,
राजनीति चमकाते अपनी यहां बर्बाद होती फसल।

डूबा हुआ हूँ कर्ज में क्या ब्याज क्या असल,
उन्हें खिलाने को उगाया दाना पर हो गया मेरी ही जमीं से बेदखल।
बहुत गीत बने बहुत लेख छपे की मैं महान हूँ,
पर दुर्दशा ना देखी मेरी किसी ने ऐसा मैं किसान हूँ।

लहलाती फसलों वाले खेत अब सिर्फ सिनेमा में होते हैं,
असलियत तो ये है कि हम खुद ही एक एक दाने को रोते हैं।
अब कहां रास आता उन्हें बगिया का टमाटर,
वो धनिया वो भिंडी और वो ताजे-ताजे मटर।

आधुनिक युग ने भुला दिया मुझे मैं बस एक छूटे हुए सुर की तान हूँ,
बचा सके तो बचा ले मुझे राष्ट्रभक्त मैं किसान हूँ।

जय जवान जय किसान
जय जौहार

****

वसीम खान
वरिष्ठ कर सहायक

महामारी कोरोना काल के दौरान आपका अनुभव

परिचय- कोरोना वायरस (कोविड-19) एक विषाणुजनित बीमारी है। जिसको विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने एक महामारी के रूप में मार्च, 2020 के महीने में घोषणा की। यह वायरस संभवत: चीन के वुहान से शुरू होकर इस समय पूरे विश्व के देशों को अपनी चपेट में ले चुका है। यह वायरस कोरोना परिवार के एक नये वायरस जिसका मनोवैज्ञानिक नाम कोरोना वायरस नोवल रखा गया।

लक्षण- कोरोना से प्रभावित होने वाले व्यक्ति को यह पता लगाने में कि वह इससे प्रभावित है या नहीं इसमें 4 दिन से 14 दिन तक लग जाते हैं तथा कभी-कभी यह भी पता नहीं लगता कि लक्षण हैं भी या नहीं क्योंकि यह लक्षणहीन भी हो सकता है यद्यपि इसके सामान्य लक्षण निम्न प्रकार हैं-

1. सूखी खांसी
2. बुखार
3. सांस लेने में तकलीफ
4. गले में खराश
5. थकान महसूस होना

कोरोना की विश्व में स्थिति-

इस समय कोरोना विश्व में फैल चुका है तथा हर देश इस बीमारी से जूझ रहा है। दिन-प्रतिदिन केस बढ़ते जा रहे हैं। एक प्रकार की मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति लगी हुई है। शुरूआत के दौर में वुहान ने इसको झेला तथा बड़े पैमाने पर मृत्यु दर देखी गई। उसके बाद यह इटली, जर्मनी, ब्राजील में अपना प्रकोप फैलाने लगा । इन देशों में हजारों की संख्या में प्रतिदिन मृत्यु होने लगीं तथा केस बढ़ने लगे। इस समय इस प्रकोप से सबसे ज्यादा ग्रस्त अमेरिका है यहां पर अब तक लगभग 45 लाख केस आ चुके है तथा 2 लाख तक मृत्यु हो चुकी है।

भारत की स्थिति-

कोरोना वायरस के प्रकोप से भारत भी नहीं बच पाया और चपेट में आ गया है। WHO द्वारा महामारी घोषित किए जाने के बाद भारत की केंद्र सरकार द्वारा पूर्ण लाकडाउन लगाया गया लगभग दो महीने के लिए। इस स्थिति में आम-जन को अपने घरों से बाहर जाने पर पाबंदी थी। सिर्फ आवश्यक सेवा में कार्यरत व्यक्ति ही अपनी सेवाएं देने के लिए जा सकते थे। जैसे- डॉक्टर, राशन वाले, इत्यादि-इत्यादि।

फिर भी इस समय भारत की स्थिति भयावह है तथा प्रतिदिन 90 हजार से ज्यादा केस आ रहे हैं तथा सैकड़ों मृत्यु भी हो रही हैं। कोरोना वायरस ग्रस्त देशों की श्रेणी में भारत अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर आ चुका है। भारत में अभी तक 35 लाख से ज्यादा केस हो चुके हैं तथा लगभग 80 हजार मृत्यु हो चुकी हैं लेकिन एक राहत की बात यह है कि भारत की रिकवरी दर लगभग 80% है।

बचने के उपाय-

जैसा की इस महामारी की अभी तक कोई दवाई नहीं बन पाई है चूँकि कई देश भारत समेत इस पर काम कर रहे हैं लेकिन भविष्य में यह वैक्सीन बनती नजर नहीं आ रही है। अत: इससे बचाव के उपाय यह हैं कि संक्रमण होने के बाद अपने आपको स्वत: ही अलग कर लें दूसरे लोगों से व अपने परिवार से, प्रतिरोधक क्षमता बढाने की चीजें खाई जाएं। बाहर जाते वक्त मास्क, इत्यादि का इस्तेमाल किया जाए। समय-समय पर हाथों को साफ किया जाए। भारत सरकार द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस को माना जाए। यदि ज्यादा परेशानी हो तो अस्पताल जायें। वृद्ध लोगों को बाहर न जाने दें चूँकि इनकी प्रतिरोधक क्षमता कम रहती है। बच्चों को बाहर न जाने दें। रोजाना व्यायाम करें।

व्यक्तिगत अनुभव-

उपरोक्त उपायों को मानने पर व्यक्ति खुद को व अपने आसपास के लोगों को इस वायरस से ग्रस्त होने से बचा सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण इस वायरस से ग्रस्त होने पर मानसिक संतुलन न खोएं सिर्फ गाइडलाइंस का पालन करें।

मैं स्वयं इस वायरस को झेल चुका हूँ। जब मैं पाजिटिव पाया गया तो तनाव के कारण एक मानसिक संतुलन बिगड़ने लगा । आसपास के लोगों का रवैया भी कुछ सकारात्मक न होने के कारण बीमार रहने के साथ-साथ तनाव भी बढ़ने लगा। ऐसी स्थिति में मैंने स्वयं को संभाला तथा सावधानियां बरतनी प्रारंभ कीं दवाईयों के साथ-साथ नियमित व्यायाम, योगा करना शुरू किया। तनाव से बचने के लिए फोन पर परिवार के लोगों से बात करना, दोस्तों से बात करना शुरू किया इससे मुझे काफी राहत मिली तथा मैं इस समय बिल्कुल ठीक हूँ।

अगर आपके आसपास कोई इस महामारी से ग्रस्त होता है तो उसको एक मोरल सपोर्ट दें उसका हौसला बढाए तथा इलेक्ट्रानिक माध्यम से उससे बातें किया करें। ये चीजें किसी भी मरीज को मानसिक तौर पर बीमारी से लड़ने के लिए मजबूत बनाती है।

****

दिव्या ज्योती
आशुलिपिक

महिला सशक्तिकरण

सशक्तिकरण का तात्पर्य किसी व्यक्ति की उस क्षमता से है जिससे उसमें यह योग्यता आ जाती है जिसमें वो अपने जीवन से जुड़े सभी निर्णय स्वयं ले सकें। महिला सशक्तिकरण का अर्थ भी महिला की उसी क्षमता से है जिसमें महिला परिवार और समाज के सभी बंधनों से मुक्त होकर अपने निर्णयों की निर्माता खुद है।

एक महिला को जागृत होना बहुत जरूरी होता है, एक बार जब वो जाग जाती है और अपना कदम उठा लेती है तो परिवार आगे बढ़ता है, गांव आगे बढ़ता है और राष्ट्र विकास की ओर उन्मुख होता है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सबसे पहले महिलाओं को शिक्षित करना बहुत जरूरी है, साथ ही साथ समाज में उनके अधिकारों और मूल्यों को मारने वाले उन सभी गंदे सोंच को मारना जरूरी है जैसे - दहेज प्रथा, अशिक्षा, यौन हिंसा, भ्रूण हत्या, असमानता, इत्यादि। लैंगिक भेदभाव राष्ट्र के विकास को अवरूद्ध करता है और देश को पीछे की ओर धकेलता है। भारत के संविधान में उल्लेखित समानता के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना सबसे प्रभावशाली उपाय है इस तरह की बुराईयों को मिटाने के लिए।

लैंगिक समानता को प्राथमिकता देने से पूरे भारत में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है। महिला सशक्तिकरण के उच्च लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समानता को हर एक परिवार में बचपन से प्रचारित करना चाहिए। महिला सशक्तिकरण में यह जरूरी है कि महिला, मानसिक और सामाजिक रूप से मजबूत हो। महिलाओं के उत्थान के लिए एक बेहतर शिक्षा की शुरूआत बचपन से हो। राष्ट्र के सर्वागींण विकास के लिए एक स्वस्थ एवं शिक्षित परिवार का होना अत्यावश्यक है।

आज भी कई पिछड़े क्षेत्रों में माता-पिता की असुरक्षा, अशिक्षा और गरीबी की वजह से कम उम्र में विवाह करने का चलन है। महिलाओं को मजबूत होने के लिए महिलाओं के खिलाफ होने वाले दुर्व्यवहार, लैंगिक भेदभाव, सामाजिक अलगाव एवं हिंसा को रोकने के लिए सरकार कई तरह के कदम उठा रही है। महिलाओं की समस्याओं का उचित समाधान करने के लिए महिला आरक्षण बिल 108वां संविधान संशोधन का पास होना यह संसद में महिलाओं की 337 हिस्सेदारी को सुनिश्चित करता है। महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं जागृत होने के लिए तरह-तरह के प्रोत्साहन राशि वितरित किए जा रहे हैं।

सरकार को महिलाओं के वास्तविक विकास के लिए पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में जाना होगा और वहां की महिलाओं को सरकार की तरफ से मिलने वाली सुविधाओं एवं उनके अधिकारों से अवगत कराना होगा जिससे उनका भविष्य बेहतर हो सके। महिला सशक्तिकरण के सपने को सच करने के लिए लड़कियों के महत्व और उनकी शिक्षा को प्रचारित करने की जरूरत है।

महिला सशक्तिकरण के द्वारा यह संभव है कि एक मजबूत अर्थव्यवस्था के महिला-पुरूष समानता वाले देश को पुरूषवादी प्रभाव वाले देश से बदला जा सकता है। महिला सशक्तिकरण की मदद से बिना अधिक प्रयास किए परिवार के हर सदस्य का विकास आसानी से हो सकता है। एक महिला परिवार में सभी चीजों के लिए बेहद जिम्मेदार मानी जाती है अत: वह सभी समस्याओं का समाधान अच्छी तरह से कर सकती है। महिलाओं के सशक्त होने से पूरा समाज अपने आप सशक्त हो जाएगा और राष्ट्र प्रगति की ओर अग्रसर होगा।

मनुष्य की आर्थिक या पर्यावरण से संबंधित कोई भी छोटी या बड़ी समस्या का बेहतर उपाय महिला सशक्तिकरण है। पिछले कुछ वर्षों में महिला सशक्तिकरण का फायदा मिल रहा है। महिलाएं अपने स्वास्थ्य, शिक्षा, नौकरी तथा परिवार, देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी को लेकर ज्यादा सचेत रहती हैं। वह हर क्षेत्र में प्रमुखता से भाग लेती हैं और अपनी रूचि प्रदर्शित करती हैं। अंतत: कई वर्षों के संघर्ष के बाद सही राह पर चलने के लिए उन्हें उनका अधिकार मिल रहा है।

<u>भारत में मिला सशक्तिकरण के लिए सरकार की भूमिका-</u>

भारत सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए कई सारी योजनाएं चलायी जाती हैं। महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा भारतीय महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन्हीं में से कुछ मुख्य योजनाएं निम्नलिखित हैं।

1. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना
2. महिला हेल्पलाइन योजना
3. उज्जवला योजना
4. महिला शक्ति केंद्र
5. पंचायती राज योजनाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण

<u>निष्कर्ष</u>

भारतीय समाज में सच में महिला सशक्तिकरण लाने के लिए महिलाओं के खिलाफ बुरी प्रथाओं के मुख्य कारणों को समझना और उन्हें हटाना होगा जो कि समाज की पितृसत्तात्मक और पुरूष प्रभाव युक्त व्यवस्था है। जरूरत है कि हम महिलाओं के खिलाफ पुरानी सोंच को बदलें और संवैधानिक और गैरकानूनी प्रावधानों में भी बदलाव लाएं।

जिस तरह से भारत सबसे तेजी आर्थिक तरक्की प्राप्त करने वाले देशों में शामिल हुआ है, उसे देखते हुए निकट भविष्य में भारत को महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। हमें महिला सशक्तिकरण के इस कार्य को समझने की आवश्यकता है क्योंकि इसी के द्वारा ही देश में लैंगिक भेदभाव की समाप्ति और आर्थिक तरक्की को प्राप्त किया जा सकता है।

****

कृष्ण कुमार मीना
आशुलिपिक

दोस्त अब थकने लगे है

किसी का पेट निकल आया है,
किसी के बाल पकने लगे है....

सब पर भारी जिम्मेदारी है,
सबको छोटी-मोटी बीमारी है....

दिनभर जो भागते थे,
वो अब चलते-चलते थकने लगे है.....

पर ये हीककत है
सब दोस्त थकने लगे हैं....

किसी को लोन की फ्रिक है,
किसी को जॉब की फ्रिक है....

फुर्सत की सब को कमी है,
आंखों में अजीब सी नमी है....

कल जो रोज मिलते थे,
अब वो सालों बाद मिलते हैं....

पर ये हकीकत है,
सब दोस्त थकने लगे हैं....

****

"जिस देश को अपनी भाषा और अपने साहित्य के गौरव का अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता।" - देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

रजत चौधरी
आशुलिपिक

माँ

माँ के बच्चों ज़रा समझो तुम इतनी-सी बात को
ठेस कभी ना पहुँचाना उस माँ के ज़ज़्बात को ||
जिसने तुम को पाला पोषा, जिसने तुमको जन्म दिया
अपनी छाती का दूध पिला कर तुमको इतना बड़ा किया ||

ऊँगली पकड़ के उसने तुमको था चलना सिखाया
अपनी ममता का हर एक उसने फ़र्ज़ निभाया ||
तुम्हारी ज़रुरत पूरी करने को उसने हर एक कष्ट सहा
सहती रही लेकिन तुमसे कभी कुछ ना कहा ||

तुम्हारी खातिर ही भूल गई थी वो दिन-रात को
माँ के बच्चों ज़रा समझों तुम इतनी-सी बात को ||
जाने कितनी लातें तुमने उसके पेट में मारी थीं
लेकिन हर-एक लात भी तुम्हारी उसको बहुत ही प्यारी थी ||

तुम्हें सूखे में सुलाकर गीले में सो जाती थी
लेकिन इस गीलेपन से बिल्कुल ना कतराती थी ||
कभी ना उसने तुम्हें अपने आपसे दूर किया
तुम पर आने वाला हर दुःख उसने खुद ही सह लिया ||

रोक लेती थी तुम पर उठने वाले हाथ को
माँ के बच्चों ज़रा समझों तुम इतनी-सी बात को ||
खुद भूखी रहकर तुम को वो खिलाती थी
तुम्हें रोता देखकर, आँखे उसकी भी भर आती थी ||

ये जानकर भी अगर तुम माँ को समझ ना पाओगे
तो समझ लेना इसकी कीमत कभी चुकाना पाओगे ||
भूलकर भी अगर तुम माँ को कभी रुलाओगे
ईश्वर की अदालत में भी नर्क में डाले जाओगे ||

माँ की सेवा हमेशा करो मत देखो हालत को
माँ के बच्चों ज़रा समझों तुम इतनी-सी बात को ।

****

कार्यालय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, हैदराबाद द्वारा आयोजित हिन्दी दिवस उत्सव - 2020 समारोह - तत्संबंधी रिपोर्ट

****

हिन्दी दिवस उत्सव - 2020 समारोह :

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, हैदराबाद कार्यालय द्वारा "हिंदी दिवस उत्सव" के उपलक्ष्य में 14 से 28 सितम्बर, 2020 तक हिन्दी दिवस अति हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस समारोह का शुभारंभ दिनांक 14 सितम्बर, 2020 को किया गया । कोविड-2019 माहमारी के परिप्रेक्ष्य में आन्ध्र प्रदेश व तेलंगाना क्षेत्र के संपूर्ण प्रभार में पहली बार सभी प्रतियोगिताएँ ऑनलाईन के माध्यम से किया गया और सफलतापूर्वक निर्वाहन किया गया ।

श्री जे.बी. महापात्रा, माननीय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त ने दिनांक 14 सितम्बर, 2020 को 'राजभाषा हिन्दी' के महत्व को उजागर करते हुए शुभकामना संदेश दिए जो विभाग के वेबसाईट के साथ-साथ एल.सी.डी. मॉनिटर पर डिसप्ले किया गया । प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त महोदय ने बताया है कि इस महमारी कोविड-19 की विषम परिस्थितियों में बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए आन्ध्र प्रदेश व तेलंगाना क्षेत्र के पूरे प्रभार में पहली बार हिंदी दिवस के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं ऑनलाईन में आयोजित करवाने हेतु यथोचित मार्गनिर्देशन दिए गए साथ ही साथ सफलतापूर्वक आयोजन भी करवाया है ।

इसके साथ-साथ हिंदी दिवस के अवसर पर प्रभार के वरिष्ठतम अधिकारियों श्री आर.के. पालीवाल, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त/ आयकर महानिदेशक (अन्वे.)(प्रभारी) और श्री अतुल प्रणय, मुख्य आयकर आयुक्त, हैदराबाद एवं श्री पीयूष सोनकर, आयकर आयुक्त (मुख्या.)(करदाता सेवाएं) व राजभाषा अधिकारी के वीडियो संदेश एल.सी.डी. मॉनिटर पर डिसप्ले किये गये ।

हिन्दी दिवस उत्सव-2020 अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं की जानकारी विभाग की वेबसाईट पर दिया गया ।

इस वर्ष हिन्दी दिवस उत्सव के दौरान हिन्दी भाषी और हिन्दीतर भाषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएँ संपूर्ण प्रभार में ऑनलाईन द्वारा आयोजित की गईं । इस समारोह के उद्घाटन के शुभ अवसर पर कहानी लेखन प्रतियोगिता (चित्र पर आधारित) का आयोजित की गई । इसके अतिरिक्त हिंदी सामान्य ज्ञान प्रतियोगता, हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, अनुवाद प्रतियोगिता व हिंदी गीत गायन जैसी एकल प्रतियोगिताएं

आयोजित की गईं । इन प्रतियोगिताओं में प्रभार के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया । इस प्रकार हिन्दी उत्सव के अवसर पर आयोजित कुल 07 प्रतियोगिताओं में लगभग 112 प्रतियोगियों ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया ।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के मूल्यांकनकर्ता के रूप में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी अहम् भूमिका निभाई । इन सभी प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं संचालन की बागडोर श्री रवि कुमार, उप निदेशक (राजभाषा) और श्रीमती ममतारानी साहु, उप निदेशक (राजभाषा) ने संभाली एवं राजभाषा अनुभाग के कर्मियों के अथक प्रयास से इसको सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

14 सितंबर से 28 सितम्बर, 2020 तक आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं के पश्चात् हिन्दी दिवस उत्सव का पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 29.09.2020 को श्री जे.बी. महापात्रा, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त की अध्यक्षता में संपन्न हुआ ।

श्री जे.बी. महापात्रा, माननीय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त ने वेब-एक्स द्वारा आयोजित समापन समारोह में सभी विजयी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी संकल्प करें कि हिंदी के प्रचार, प्रसार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे तथा राजभाषा नीति के अनुसार कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने के लिए सक्षम रहें ।

श्री पीयूष सोनकर, आयकर आयुक्त (मुख्या.)(करदाता सेवाएं) व राजभाषा अधिकारी ने स्वागत भाषण में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों तथा विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी जो इस महमारी कोविड-19 की विषम परिस्थितियों में भी हिंदी दिवस के दौरान पहली बार आयोजित ऑनलाईन प्रतियोगिताओं में पूरे हर्षोल्लास के साथ भाग लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया ।

इस अवसर पर माननीय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त महोदय के करकमलों द्वारा ई-पत्रिका **“मलयज” हिंदी विशेषांक** का विमोचन किया गया ।

श्री आर.के. पालीवाल, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त/ आयकर महानिदेशक (अन्वे.)(मुख्या.) ने बताया है कि सभी भारतीयों को जुड़ने वाली भाषा हिंदी है और संकल्प लिया जाए कि राजभाषा हिंदी को गौरव के साथ कार्यालयीन कार्यों में इसका प्रयोग करेंगे। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से जहाँ एक ओर अधिकारियों/कर्मचारियों को हिन्दी में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है वहीं दूसरी ओर हिन्दी कामकाज में एक प्रतिस्पर्धात्मक माहौल भी तैयार होता है। ई-पत्रिका **“मलयज” हिंदी विशेषांक** में अपनी रचनाओं के साथ बहुमूल्य योगदान दिये सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी ।

श्री अतुल प्रणय, मुख्य आयकर आयुक्त, हैदराबाद ने पहली बार ऑनलाइन पर प्रतियोगिताएं आयोजित करने से जुड़े सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी और बताया है कि उनके कार्यकाल के दौरान आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना प्रभार में सभी हिंदी के प्रति रुचि रखते है । राजभाषा हिंदी में कार्य करने का संकल्प लेते हुए सम्मान के साथ हिंदी को आगे बढाने में अपना योगदान देने के लिये कहा । **"मलयज" हिंदी विशेषांक** पत्रिका के सभी रचनाकारों को अपनी शुभकामनाएं दी है ।

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, हैदराबाद के मार्गदर्शन में भारत सरकार की राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन की दिशा में प्रयासरत आयकर विभाग, आन्ध्रप्रदेश एवं तेलंगाना प्रभार की वर्ष 2019-20 की राजभाषा हिंदी संबंधी वार्षिक रिपोर्ट श्री रवि कुमार, उप निदेशक (राजभाषा) द्वारा प्रस्तुत की गई ।

श्री सुनील कुमार विभूते, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने हिंदी दिवस के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में नकद पुरस्कार प्राप्त विजयी प्रतियोगियों के नामों की घोषणा की ।

आगे, हिंदी में डिक्टेशन देने के लिए प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 2019-20 के लिए विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को पुरस्कृत किया गया है साथ में, सरकारी कामकाज मूल रूप से हिंदी में लिखने/ करने हेतु (आलेखन/ टिप्पण) प्रोत्साहन योजना के तहत नकद पुरस्कार प्राप्त 10 कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया है ।

श्री जे.बी. महापात्रा, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त महोदय ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए 'हिंदी दिवस उत्सव-2020 की हार्दिक शुभकामनाएँ दी और सभी प्रतियोगिताओ के विजेताओं को बधाई देते हुए राजभाषा संबंधी गतिविधियों में कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक सभी सदस्यों द्वारा सक्रिय रूप से एवं उत्साहपूर्वक भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की ।

कार्यक्रम के अन्त में श्री रवि कुमार, उप निदेशक (रा.भा.) ने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार प्रकट किया । श्रीमती ममतारानी साहु, उप निदेशक (राजभाषा) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया । इस समारोह में श्रीमती के. गिरिजा वाणी, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, श्री मोहम्मद सुल्तान, श्री अनिल कुमार मीना व श्रीमती कल्पना, आशुलिपिकों का सहयोग सराहनीय रहा। इसके साथ ही हिंदी दिवस उत्सव - 2020 उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ ।

हिन्दी दिवस उत्सव के दौरान आयोजित गीत-गायन प्रतियोगिता की एक झलक।

सतर्कता सप्ताह के दौरान आयोजित "हिन्दी स्लोगन प्रतियोगिता" में विजयी प्रतिभागियों द्वारा प्रमुख चित्र सहित कुछ स्लोगनों की झलकियां।

"प्रलोभन से दूर सतर्कता से भरपूर"

फोटो: यू. रवि,
आयकर निरीक्षक

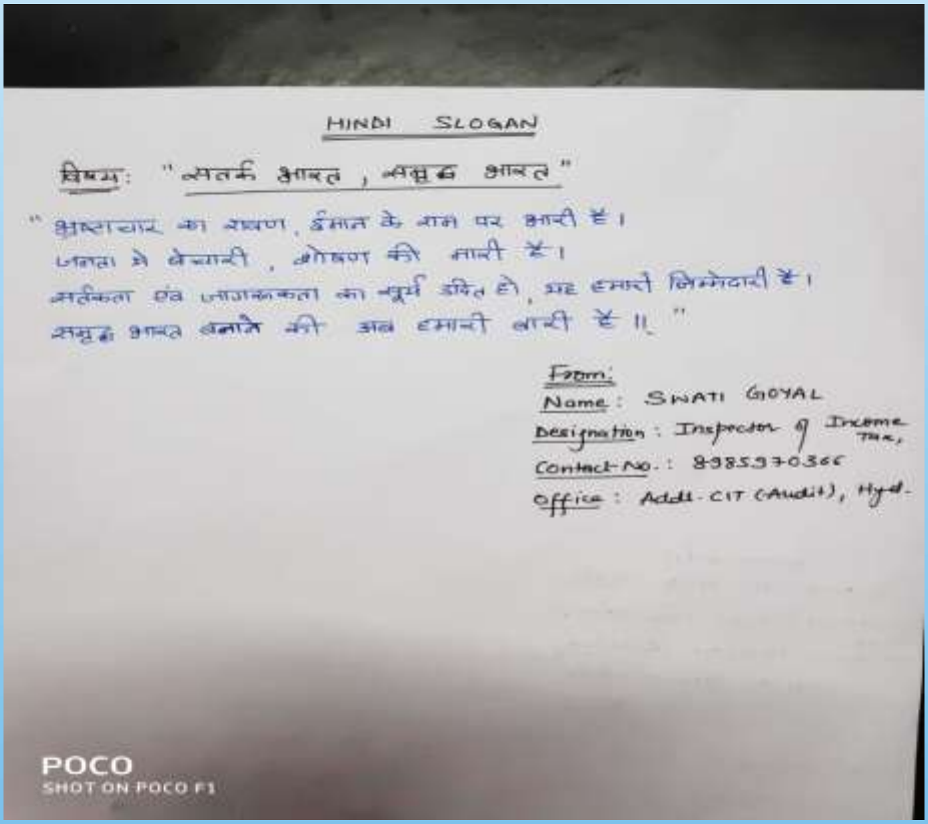

HINDI SLOGAN

विषय: "सतर्क भारत, समृद्ध भारत"

"भ्रष्टाचार का रावण, ईमान के नाम पर भारी है।
जनता मे बेचारी, शोषण की मारी है।
सतर्कता एवं जागरूकता का सूर्य उदित हो, यह हमारी जिम्मेदारी है।
समृद्ध भारत बनाने की अब हमारी बारी है॥"

From:
Name: SWATI GOYAL
Designation: Inspector of Income Tax,
Contact No.: 8985970366
Office: Addl. CIT (Audit), Hyd.

फोटो: स्वाति गोयल,
आयकर निरीक्षक

पुरस्कृत स्लोगनों का विवरण

स्लोगन : सतर्कता जब मन में होगी
समृद्धि अपनी सर चूमेगी ।।

स्लोगन : मन में जलाओ सतर्कता की बाती
समृद्धि को बनाओ अपना साथी ।।

स्लोगन : अवनीति पर दबाव डालो
भ्रष्टाचार को दूर भगाओ

- यू. रवि
आयकर निरीक्षक

जन जन की अब यही पुकार,
न हों अब ये भ्रष्टाचार ।

मिटाना है अब जड़ से इस कुप्रथा को,
सतर्क और समृद्ध बनाना है भारत धरा को ॥

- प्रमोद कुमार,
वरिष्ठ कर सहायक

ईमानदार और सतर्क रहना सीखें,
निश्चित रूप से समृद्ध भारत देखें ।

फोटो: एल मोहन,
आयकर अधिकारी

आयकर क्वाटर्स, रोड़ नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में "प्रोजेक्ट ग्रीन" के तहत वर्मी कम्पोस्ट मशीन की स्थापना

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना, हैदराबाद के इंफ्रास्ट्रक्चर अनुभाग ने "प्रोजेक्ट ग्रीन" के तहत निम्नलिखित परियोजनाएं लागू करने की पहल की है :

1) आयकर क्वाटर्स तथा गेस्ट हाऊस के कूड़े-कचरे का रीसायकल (पुनर्रुपयोग) करने के लिए वर्मी कम्पोस्ट मशीन की स्थापना।
2) क्वाटर्स तथा मेहंदी मंजिल को जोड़ने के लिए एक नए ''सर्कुलर वाकिंग ट्रैक'' का निर्माण करना ताकि क्वाटर्स के निवासी इस मार्ग का उपयोग कर सके।
3) मेहंदी मंजिल तथा अमरावती सामुदायिक केन्द्र के परिसर को हरा-भरा रखने की व्यवस्था करना।
4) हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एण्ड सीवरेज बोर्ड (HMWSSB) से पानी के नए कनेक्शन को सुरक्षित रखते हुए पुराने सम्प का उपयोग किया जाना।
5) 'अमरावती सामुदायिक केन्द्र' के सेप्टिक टैंक को बदलकर हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एण्ड सीवरेज बोर्ड (HMWSSB) की मुख्य लाईन के साथ जोड़ना।
6) 'अमरावती सामुदायिक केन्द्र' के रसोईघर की सफाई व धुलाई के लिए नए स्थान का निर्माण।
7) रोड़ नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद के क्वाटर्स में जल संरक्षण की व्यवस्था करना ।
8) रोड़ नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद के क्वाटर्स में नालियों और सिवरेज लाईनों का पुनर्निर्माण करना।
9) रोड़ नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगवाना।

"प्रोजेक्ट ग्रीन" के तहत पूरी की गई ऐसी परियोजनाओं में से रोड़ नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद वर्मी कम्पोस्ट प्लांट की स्थापना करना एक मुख्य परियोजना है जो दो अतिथि-गृह, अमरावती सामुदायिक केन्द्र, मेहंदी मंजिल और क्वाटर्स के जैविक कूड़े-कचरे का रीसायकल करते हुए परिसर को हरा-भरा और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की पहल है। माननीय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, (आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना), हैदराबाद के कर-कमलों द्वारा दिनांक 26.12.2020 को इस प्लांट का उदघाटन किया गया।

माननीय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, हैदराबाद के द्वारा वर्मी कम्पोस्ट मशीन के उदघाटन संबधी कुछ झलकियां।

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, श्री जे.बी महापात्रा के साथ
आयकर आयुक्त, (मुख्या. व टीपीएस), श्री पीयूष सोनकर व अन्य अधिकारी गण

<u>"राजभाषा शील्ड संबंधी कुछ झलकियां"</u>

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-04, हैदराबाद द्वारा कार्यालय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, हैदराबाद को उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए राजभाषा शील्ड प्रथम पुरस्कार तथा हिंदी ई-पत्रिका "मलयज" को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है ।

<u>**राजभाषा सुर्खियों में**</u>

हिंदी के विकास से ही देश का विकास संभव : पीयूष सोनकर

राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद के तत्वावधान में परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय में राजभाषा शील्ड पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पीयूष सोनकर आईआरएस, आयकर आयुक्त, आयकर विभाग, पवन कुमार, सहायक निदेशक-प्रशासन, सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, ब्रजेन्द्र कुमार, प्रधान वित्त सलाहकार एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद डॉ. दीपक कुमार सिन्हा, निदेशक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, एएमडी ने मंच की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर डॉ. आरएम संखुआ, मुख्य अभियंता (दक्षिण), राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण, श्रीमती सुहासिनी गोतमारे, प्रधान निदेशक, प्रधान लेखापरीक्षा कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे, सुश्री दिव्या यानामाडाला, निदेशक, प्रधान लेखापरीक्षा कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे, डॉ. के.सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान, सीएचवाई सुब्रह्मण्यम, अधिशाषी अभियंता, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण, डॉ

अभिकरण, पीवी रामराजु, अधिशासी अभियंता, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण, हैदराबाद एवं एन. अंजनी कुमार, मुख्य प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। नराकास-4 के सदस्य कार्यालयों में हिन्दी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु 200 से अधिक कर्मचारी वाले कार्यालय के वर्ग में प्रथम पुरस्कार स्वरूप संयुक्त रूप से परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय एवं दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय, सिकंदराबाद, द्वितीय पुरस्कार सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, शिवरामपल्ली, हैदराबाद को प्रदान किए गए । 200 से कम कर्मचारी वाले कार्यालय के वर्ग में प्रथम आयकर विभाग, हैदराबाद एवं द्वितीय पुरस्कार राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान (मैनेज), राजेन्द्रनगर, हैदराबाद एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण, हैदराबाद को प्रदान किए गए। उत्कृष्ट गृह पत्रिका पुरस्कार के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार स्वरूप पखनि की पत्रिका खनिज भारती एवं दमरे की रेल सुधा पत्रिका का संयुक्त रूप से शील्ड प्रदान किए गए। द्वितीय पुरस्कार आयकर विभाग की पत्रिका मलयज को प्रदान किया गया। तृतीय पुरस्कार स्वरूप प्रधान

को शील्ड प्रदान की गई। इसके अलवा गत वर्ष हिन्दी सप्ताह - 2020 के दौरान आयोजित विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेता को पुरस्कार प्रदान किए गए। उक्त सभी शील्ड एवं पुरस्कार मंचासीन अतिथियों के करकमलों से प्रदान किए गए। पलन कुमार, आईपीएस, एनपीए ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में किए जा रहे राजभाषा हिन्दी संबंधी प्रयासों का लेखाजोखा प्रस्तुत किया। ब्रजेन्द्र कुमार, आईआरएएस, दमरे ने अपने संबोधन में नराकास-4 द्वारा आयोजित विभिन्न हिन्दी कार्यक्रमों की सराहना करते हुए संबंधित कार्यालयों के आयोजकों को बधाई दी। आयकर आयुक्त पीयुष सोनकर ने भी आयकर कार्यालय में किए जा रहे राजभाषा हिन्दी के कार्यों में अपने विचार व्यक्त किए।

गत दो वर्षों में नराकास-4 द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग के लिए अपनी ओर से सराहाना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखे जाने की बात कही तथा उन्होंने माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा पखनि के क्षेत्रीय कार्यालय नई दिल्ली एवं जयपुर के अनुभवों को साझा करते हुए सभी सदस्य कार्यालयों को संसदीय समिति की निरीक्षण हेतु तैयार रहने की सलाह दी। समारोह का स्वागत भाषण एन.अंजनी कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया। समारोह का संचालन सतीश कुमार, उप निदेशक (राजभाषा) धन्यवाद ज्ञापन एसआई जबीउल्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर हिन्दी अनुभाग एवं पखनि के सभी

संविधान दिवस के दौरान आयोजित "भारतीय संविधान की आत्मा" के विषय पर विजयी प्रतिभागियों के कुछ रेखा-चित्रों की प्रस्तुतियाँ

प्रथम पुरस्कार विजेता **- यू. रवि,**

आयकर निरीक्षक

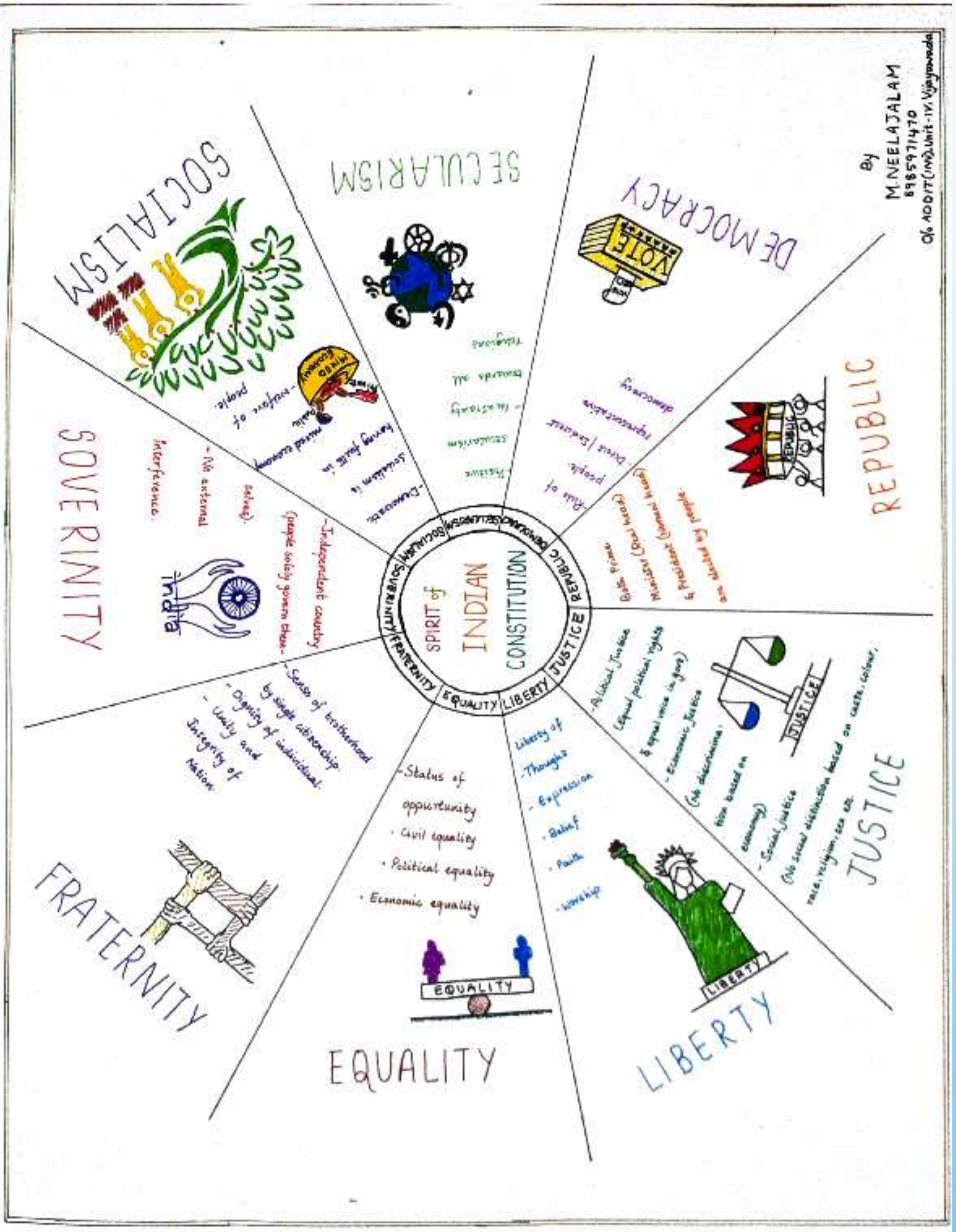

द्वितीय पुरस्कार विजेता - एम नीलजालम,
आयकर निरीक्षक

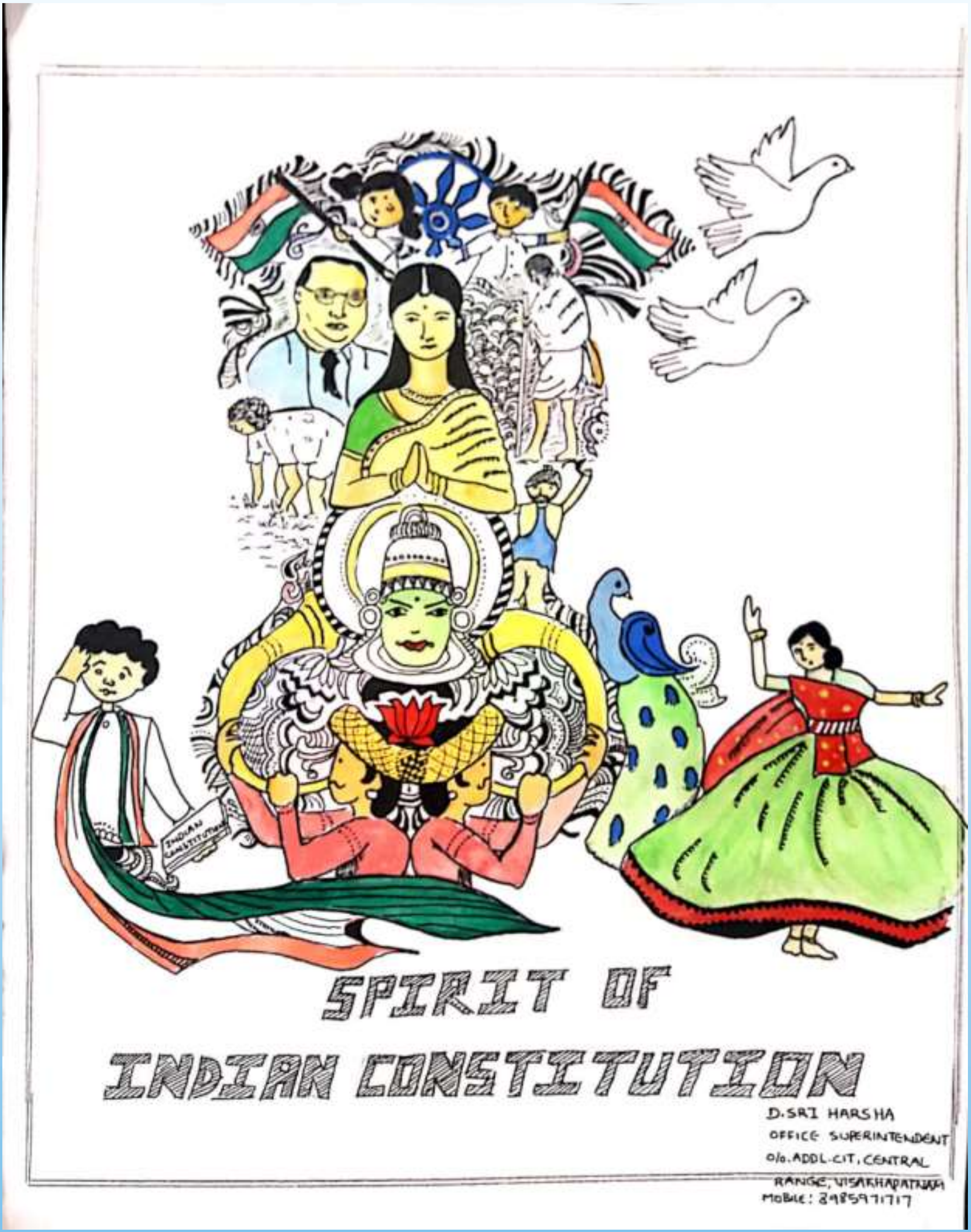

तृतीय पुरस्कार विजेता - डी. श्री हर्षा,
कार्यालय अधीक्षक

संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयकर कर्मियों के बच्चों के लिए आयोजित
"भारतीय संविधान की आत्मा" विषय पर विजयी बच्चों के कुछ रेखा-चित्रों की प्रस्तुतियां

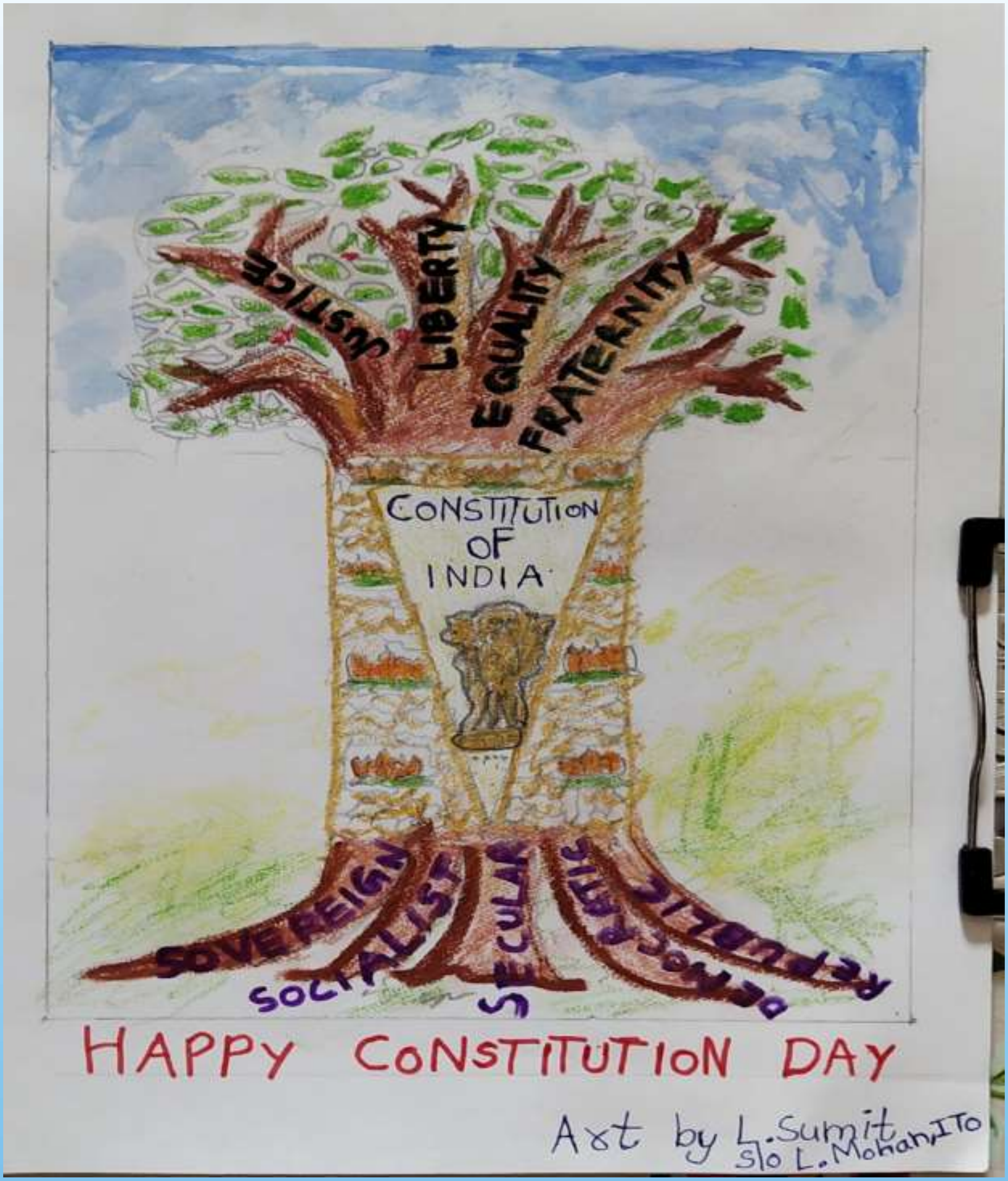

प्रथम पुरस्कार विजेता - एल. सुमित, पुत्र एल. मोहन
आयकर अधिकारी

द्वितीय पुरस्कार विजेता **- डी. मनीषा पुत्री डी. संतोष कुमार,**
प्रशासनिक अधिकारी

तृतीय पुरस्कार विजेता **- ए. साहिती पदमाप्रिया पुत्री ए.पी. बाबू,**
संयुक्त आयकर आयुक्त

आयकर विभाग

INCOME TAX DEPARTMENT

आन्ध्र प्रदेश व तेलंगाना क्षेत्र

ANDHRA PRADESH & TELANGANA REGION

हैदराबाद प्रभार

HYDERABAD CHARGE